जापानी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स

छः महीने का सर्टिफिकेट कोर्स

1. अभिवादन, सम्बोधन इत्यादि

ओहायोगोज़ाइमास, कोन्निचिवा इत्यादि

2- जापानी भाषा का स्वरूप और परिचय, स्वर - उच्चारण, लिपि इत्यादि

3. वाक्य की संरचना

अ) वाताशिवा -------- देस

गाकुसे, सेन्से, इन्दोजिन, ओतोको इत्यादि शब्दों के साथ

वाताशिवा ----- देवा आरिमासेन इत्यादि अन्य शब्द जोड़ते हुए।

हीरागाना लिपि की शुरूआत

ब) i) यह,वह, वो आदि के प्रश्नवाचक, नकारात्मक एवं भूतकाल प्रयोग

कोरेवा ---- देस/देस का/ देवा आरीमासेन/ देवा आरीमासेन देशिता

ii) कोको, सोको, आसोको एवं दोको

iii) कोरेवा------ देस का

हाय ------- सो देस

ईए ----- सो देवा आरीमासेन

iv) कोनो हितो, सोनो हितो , आनो हितो, दोनो हितो, (दारे, दोनाता)

कोनो हितो वा ---- देस (अन्य उदाहरण देते हुए)

(नकारात्मक, प्रश्नवाचक इत्यादि वाक्य बनाते हुए)

स) --- गा आरीमास /इमास /का/ वा आरीमासेन / इमासेन / का इत्यादि

वाक्य रूप एवं इमास व आरीमास के बीच का अन्तर

द) कोको नी ------ गा इमास।

हीरागाना लिपि का पाठ संपन्न हुआ और छात्रों का लगातार अभ्यास जारी।

4. अ) गिनती के विभिन्न प्रयोग

समय, महीना, समय पूछना, 'इमा नान जी देस का' ।

ब) हफ्ते , तिथियां इत्यादि से संबंधित गिनतियां।

स) वस्तु, व्यक्ति इत्यादि से संबंधित गिनतियां।

द) क्यो, किनो, आशिता, कोतोशी, कोन्शू इत्यादि।

5. कारक चिन्ह (जापानी पार्टिकल)

--- या --- या --- नादो गा आरीमास

नीकाइ नी आरीमास

(अब तक तो मो, नी, वा गा, कारा, मादे इत्यादि साधारणतः काम में आनेवाले कारक चिन्हों का प्रयोग हो जाना चाहिए।)

6. परिवार से संबंधित शब्दावली

इकुत्सु, नान साइ इत्यादि।

सम्बोधन , अभिवादन जैसे

इत्ते इराश्याइ, इत्ते किमास, गोची सो सामा देशिता इत्यादि।

7. काताकाना लिपि की शुरूआत

8. विशेषण (प्रतिदिन प्रयोग में आनेवाले)

i) इ और ना विशेषण

ii) भोजन रंग, स्वाद, अच्छा, बुरा इत्यादि

iii) नकारात्मक /प्रश्नवाचक/ भूतकाल एवं संधि इत्यादि में विशेषण के प्रयोग

9. क्रिया में मास, माशिता, मासेन , देशिता, मासेन देशिता इत्यादि रूप एवं दे, ओ, ए कारक चिन्ह का प्रयोग।

(भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग एवं चीनी लिपि (कान्जी) संख्या तीस)

जापानी भाषा में डिप्लोमा कोर्स

छः माह डिप्लोमा कोर्स

1) क्रिया के विभिन्न रूप विस्तार से;
काकानाइ, काकीमास, काकू, काकीमाश्यो, काकेबा, काकू, काको इत्यादि।

2) क्रिया के ते और ता के रूप विस्तार से

3) कोतो गा + आरीमास/आरीमाशिता/आरीमासेन, आरीमासेन देशिता, मोसेने आरीमासेन
कोतो गा + देकीमास/देकीमासेन/देकीमाशिता/देकीमासेनदेशिता

4) गा होशी / नकारात्मक/प्रश्न/भूतकाल इत्यादि
--- गा सुकी देस, किराई देस
--- गा ताबेताइ देस/ प्रश्न/नकारात्मक

5) विभिन्न संदर्भों के आधार पर मोराऊ, आगेरु,कुरेरु,यारु,ते मोराऊ इत्यादि नम्रता के वाक्य रूप।

6) अनिवार्य भावरूपी क्रिया के सकारात्मक, नकारात्मक, प्रश्न, भूतकाल इत्यादि।
उदाहरण - कुसुरी वो नोमानाकेरेबा नारीमासेन

7) किसी से सुनी हुई बात और महससू की गई बात के विभिन्न प्रयोग;
संज्ञा, क्रिया और विशेषण के साथ
अ. --- गा फुरी सो देस
--- गा फुरु सो देस
ब. --- तो ओमोइमास , --- तो ईमास के विभिन्न प्रयोग

8) तुलनात्मक, समानता के भाव :
~ योना, ~ योनी, ~ योरी ~ हो गा ईई देस।

9) सुझाव के सभी रूप;
शिता हो गा ईई देस ~ शिता होगा ईई देस।

10) शर्त सूचक वाक्य के सभी प्रयोग
--- सुरू तो --- गा उगेकिमास।

11) सकर्मक, अकर्मक क्रिया; विशेषण + क्रिया का रूप

i) मादो ग आकीमास, मादो ओ आकेमास

ii) सामुकु नारू

12) संभावनात्मक क्रिया के सभी रूप

--- सुरू कामो शिरेमासेन

--- देश्यो।

13) समानांतर क्रिया के रूप में नागारा का प्रयोग

14) खरीदारी, किताबों की दुकान, यात्रा, टेलीफोन, बैंक और पोस्ट ऑफिस, खान-पान से संबंधित अभिव्यक्ति एवं प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले आसान शिष्टाचार के भावों को व्यक्त करना।

15) कुल 100 कांज़ि (चित्राक्षर) का अभ्यास